महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
जनसंपर्क कार्यालय
PUBLIC RELATIONS OFFICE

संस्कृत दिवस पर 'वैदिक वाङ्मय में ऋषिकाओं का अवदान' विषय पर हुआ व्याख्यान

वर्धा, 21 अगस्त 2025 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में साहित्य विद्यापीठ के अन्तर्गत संचालित संस्कृत साहित्य विभाग द्वारा बुधवार, 13 अगस्त को संस्कृत दिवस कार्यक्रम के अवसर पर वैदिक वाङ्मय में ऋषिकाओं का अवदान विषय पर महादेवी सभागार में विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन कुलपति प्रो. कुमुद शर्मा के संरक्षण में किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि एवं वक्ता के रूप में कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक के कुलगुरु प्रो. हरेराम त्रिपाठी ने वैदिक साहित्य में वर्णित ऋषिकाओं के योगदान के संदर्भ में कहा कि भारतीय दर्शन का उत्स वैदिक ऋषिकाओं के द्वारा

हुआ है। संस्कृत साहित्य की विधाओं में वैदिक ऋषिकाओं को प्रेरणा के रूप में स्वीकार किया गया। उन्होंने बताया कि सांख्यदर्शन में वर्णित षट्कोश का निर्माण में स्त्री और पुरुष दोनों की अहम भूमिका होती है। उन्होंने कहा कि वैदिक वाङ्मय में ऋषिकाओं के संदर्भ में उपनिषदों के संदर्भों को विस्तार से प्रतिपादित किया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए संस्कृत साहित्य विभाग के अध्यक्ष एवं साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. अवधेश कुमार ने बताया कि वैदिक साहित्य में ऋषिकाओं का योगदान अत्यंत महत्त्वपूर्ण रहा है। वैदिक ऋषिकाओं में अपाला, घोषा, लोपाद्रमा एवं रोमासा तथा मैत्रेयी प्रमुख है। कार्यक्रम का संचालन संस्कृत साहित्य विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. जगदीश नारायण तिवारी ने किया तथा प्रभारी डॉ. प्रदीप ने आभार माना।

प्रारंभ में संस्कृत साहित्य विभाग के शोधार्थी साहेबु देबशर्मा ने मंगलाचरण प्रस्तुत किया। कुलगीत का प्रसारण किया गया। कार्यक्रम का स्वागत वक्तव्य भारतीय भाषा विभाग के सहायह प्रोफेसर डॉ. रामकृपाल ने दिया। कार्यक्रम की प्रास्ताविकी संस्कृत साहित्य विभाग के अध्यक्ष एवं साहित्य विद्यापीठ अधिष्ठाता प्रो. अवधेश कुमार ने प्रस्तुत की। उन्होंने संस्कृत भाषा के महत्त्व पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर प्रो. प्रीति सागर, डॉ. उमेश कुमार सिंह, डॉ. कोमल परदेशी, डॉ. सन्मति जैन, डॉ. रवि कुमार, डॉ. आम्रपाल शेंद्रे सहित शोधार्थी एवं विद्यार्थी बडी संख्या उपस्थित थे।

पोस्ट हिंदी विश्वविद्यालय, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
ई-मेल/E-mail: pro.mgahv@hindivishwa.ac.in **वेबसाइट/Website:** **www.hindivishwa.org**
दूरभाष : +91-7152-252651 मोबाइल/Mobile : 9960562305

संस्कृत दिनानिमित्त 'वैदिक वाङ्मयामध्ये ऋषिकांचं योगदान' या विषयावर व्याख्यान

वर्धा, २१ ऑगस्ट २०२५ : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालयाच्या साहित्य विद्यापीठांतर्गत संस्कृत साहित्य विभागाच्या वतीने बुधवार, १३ ऑगस्ट रोजी 'संस्कृत दिवस' कार्यक्रमाच्या निमित्ताने 'वैदिक वाङ्मयामध्ये ऋषिकांचं योगदान' या विषयावर महादेवी सभागृहात विशेष व्याख्यान कुलगुरु प्रो. कुमुद शर्मा यांच्या मार्गदर्शनाखाली केले.

या कार्यक्रमाचे मुख्य अतिथी व वक्ते म्हणून कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विद्यापीठ, रामटेकचे कुलगुरु प्रो. हरेराम त्रिपाठी होते. वैदिक साहित्यामध्ये उल्लेखित ऋषिकांच्या योगदानावर सविस्तर भाष्य करताना ते म्हणाले की, भारतीय तत्त्वज्ञानाचा उगम वैदिक ऋषिकांपासूनच झाला आहे. संस्कृत साहित्यातील विविध साहित्यप्रकारांमध्ये ऋषिकांना प्रेरणास्थान मानले गेले आहे. सांख्यदर्शनात वर्णन केलेल्या षट्कोशाच्या निर्मितीत स्त्री आणि पुरुष दोघांचीही महत्त्वपूर्ण भूमिका असते, असे त्यांनी नमूद केले. त्यांनी उपनिषदांमधील ऋषिकांच्या उल्लेखाचेही सविस्तर स्पष्टीकरण दिले.

कार्यक्रमाचे अध्यक्ष प्रो. अवधेश कुमार म्हणाले की, वैदिक साहित्यामध्ये ऋषिकांचं योगदान अत्यंत मोलाचं आहे. वैदिक ऋषिकांमध्ये अपाला, घोषा, लोपाद्रुमा, रोमासा आणि मैत्रेयी या प्रमुख ऋषिका होत्या. कार्यक्रमाचे संचालन संस्कृत साहित्य विभागाचे सहायक प्रोफेसर डॉ. जगदीश नारायण तिवारी यांनी केले तर प्रभारी डॉ. प्रदीप यांनी आभार मानले.

कार्यक्रमाची सुरुवात संस्कृत साहित्य विभागातील शोधार्थी साहेबु देबशर्मा यांच्या मंगलाचरणाने झाली. स्वागतपर भाषण भारतीय भाषा विभागाचे सहायक प्रोफेसर डॉ. रामकृपाल यांनी केले. प्रस्तावना संस्कृत साहित्य विभागाचे प्रमुख व साहित्य विद्यापीठाचे अधिष्ठाता प्रो. अवधेश कुमार यांनी संस्कृत भाषेचे महत्त्व अधोरेखित केले.

या वेळी प्रो. प्रीति सागर, डॉ. उमेश कुमार सिंह, डॉ. कोमल परदेशी, डॉ. सन्मति जैन, डॉ. रवि कुमार, डॉ. आम्रपाल शेंद्रे तसेच अनेक शोधार्थी आणि विद्यार्थी मोठ्या संख्येने उपस्थित होते.